ज्ञान सरोवर में मीडिया सेमिनार का शुभारम्भ: देश भर से सैकड़ों मीडियाकर्मी पहुंचे

माउण्ट आबू, 26 मई। अरावली पर्वत श्रृंखला के नौसर्गिक सौन्दर्य से घिरे ज्ञान सरोवर परिसर में प्राजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय एवं राजयोग शिक्षा व शोध प्रतिष्ठान के मीडिया प्रभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय मीडिया सेमिनार में देश के विभिन्न भागों से भाग लेने आये सैकड़ों प्रिन्ट व इलेक्ट्रानिक मीडियाकर्मियों का स्वागत करते हुए शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र. कु. मृत्युंजय ने समाज व संस्कृति के बेला में आध्यात्मिक क्रान्ति लाने वाली संस्था के निमंत्रण पर आये पत्रकारों से श्रेष्ठ समाज की रचना का लक्ष्य प्राप्त करने में सहयोगी बनने का आह्वान किया।

अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि ज्ञान से अज्ञान की ओर बढ़ने की प्रवृत्ति में तेजी आ रही है। इस नकारात्मक स्थिति पर मीडिया ही अंकुश लगाने का सर्मथन करता है। त्रासदी यह है कि लोगों की सोच के साथ-साथ जीवनशैली भी प्रदूषित होती जा रही है। समाज परिवर्तन समय की सबसे बड़ी चुनौती है। इसे स्वीकार करने में संस्था के प्रयास में मीडिया को भागीदार बनना चाहिए। एक-एक व्यक्ति शांतिदूत बनकर कलम व जीवन से परिवर्तन लाने में सहयोगी हो। पत्रकारों में परिवर्तन का सशक्त माध्यम बनने की क्षमता है वे समाज में विशिष्ट स्थान रखते हुए रोल माडल बन सकते हैं। देहाभिमान त्यागने व सदगुण अपनाने की प्रेरणा देते हुए मृत्युंजय भाई ने कहा कि वैश्विकरण के साथ-साथ अपराधीकरण व व्यवसायीकरण का फैलाव सभी के लिए चिन्ता का विषय है। इसका हल तीन दिन तक चलने वाली गोष्ठियों में ढूढ़ने का प्रयास करना चाहिए। प्राय: लोग मन की दुर्बलता और सदभाव के अभाव के कारण तनाव में रहते हैं इससे योग द्वारा छुटकारा पाकर मानसिक शक्ति प्राप्त की जा सकती है।

स्वागत सत्र का शुभारम्भ बड़ौदा से आयी बहनों ने विशिष्ट अतिथियों का पुष्पों से स्वागत करते हुए किया। सतीश भाई के नेतृत्व में मधुरवाणी ग्रुप ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया इसके बोल थे स्वागत में पुलकित रोम-रोम, मुस्काता ज्ञान सरोवर है इसके बाद बड़ौदा से आयी शालिनी ने गीत नृत्य द्वारा करतल ध्वनि के बीच अभिनन्दन किया। गीत का शीर्षक था ये आंगन ये द्वारे, ये सूरज ये तारे। कैसा ये संसार है, परमपिता के प्रियजनों का स्वागत बारम्बार है।

पत्रकारों के सेमिनार के प्रति उत्साह का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि कई एक दिन पहले ही इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए ज्ञान सरोवर में पहुंच गये थे। स्वागत संबोधन में ज्ञान सरोवर के कोआर्डिनेटर ब्र. कु. मोहन सिंघल ने कहा कि ज्ञान तो चारो तरफ विद्यमान है लेकिन हम संस्कारों की कमी के कारण उसे जीवन भर धारण नहीं कर पाते हैं।

दूरदर्शन दिल्ली के मुख्य प्रोडयूसर एस.एल. कण्डारा ने कहा कि मीडिया को संदेश पहुचानें की जिम्मेवारी सौपने के पीछे सकारात्मक सोच रही लेकिन प्रिन्ट व इलेक्ट्रानिक मीडिया ने प्रारम्भिक दौर में स्वच्छ एवं स्वस्थ सामग्री पाठकों तक पहुंचाने के बाद नकारात्मकता के आगे घुटने टेक दिये।मीडिया पहले मूल्य आधारित ही हुआ करता था लेकिन अब कहीं न कहीं रास्ते से भटक गया है। हमारी प्रकृति में उदारवाद आया तो सारी सीमायें टूट गयी। महज धन बटोरने के लिए मीडिया का पथविचलित होना नि:संदेह बुरा है। नकारात्मकता का साम्राज्य स्थापित करने वाला संदेश मीडियाकर्मियों को नहीं देना चाहिए। मूल्यों का पालन तभी हो पायेगा जब आर्थिक दबावों को हावी नहीं होने देगें टाईम्स आफ इंडिया टी वी प्रभाग के वरिष्ठ उपप्रधान रविभटनागर ने इस बात को स्वीकार किया बहुउद्देशीय कम्पनियों के ब्रान्ड बेचने की होड़ में हम गाँव में बिना कपड़ों के बिलखते बच्चों की पीड़ा को नजरअंदाज कर रहे हैं। उन्होंने आत्मचिंतन व आत्ममंथन द्वारा सही रास्ते तलाश करने की जरूरत पर जोर दिया। मीडिया प्रभाग मुम्बई के मीडिया कोआर्डिनेटर ब्र. कु. निंकुंज व उर्मिला बहन ने शुभकामनायें दी। मंच संचालन चन्द्रकला बहन ने किया।